वर्ष-2022

24 पृष्ठीय

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
HINDI	0	5	1	ENGLISH

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक – 321 –

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	2	1	3	3	2	3	3	9

शब्दों में

two	two	one	three	three	two	three	three	nine

उदाहरणार्थ

1	1	2	4	3	9	5	6	8
एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

क – पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंको में [X] शब्दों में [X]

ख – परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक GALLERY

ग – परीक्षा की दिनांक 19 02 2022

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा केन्द्र क्रमांक-132080

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तनुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया अन्दर के पृष्ठों के अनुरुप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदाकिंत संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर
71V5033	

नोट :– "हायर सेकेन्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% **अधिमार एवं** स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जायें

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्ताक (अंको में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

विशेष नोट :– सिलाई खुली हुई अथवा क्षतिग्रस्त उत्तर पुस्तिका को न तो पर्यवेक्षक वितरण करें और न ही छात्र उपयोग में लें। ऐसी उत्तर पुस्तिका में लिखे उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

परीक्षार्थी द्वारा भरा जायें →

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जायें →

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जायें →

प्रश्न क्र.

प्रश्न-1

(i) जग-जीवन का

(ii) तुलसीदास की

) जब मन खाली न हो

(iv) चाँद सिंह को

(v) आनन्द यादव

(vi) उपरोक्त सभी

प्रश्न-2

(i) प्रत्याशा

(ii) लछमिन

) मराठी

(iv) अधिक

(v) उत्साह

(vi) मात्रिक

(vii) आकाश

MPBSE

प्रश्न - 3

(i) बात की चूड़ी मर जाना ⇒ बात का प्रभावहीन हो जाना

(ii) अवधूत ⇒ शिरीष के फूल

(iii) सिल्वर वैडिंग ⇒ यशोधर बाबू

(iv) कहानी का केन्द्रीय बिन्दु ⇒ कथानक

(v) चौपाई छन्द ⇒ 16-16 मात्राएँ

(vi) तत्सम ⇒ संस्कृत के मूल शब्द

प्रश्न - 4

(i) उषा का जादू सूर्योदय होने पर टूटता है।

(ii) पहलवान लुट्टन सिंह के दो पुत्र थे।

(iii) सिन्धु सभ्यता का सबसे बड़ा नगर मुअनजो-दड़ो था।

(iv) आमतौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15-30 मिनट होती है।

(v) शब्दगुण तीन (3) प्रकार के होते हैं।

MPBSE

प्रश्न क्र.

(vi) अर्थ - पक्ष बदल लेना

(vii) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण कहा कहलाते है।

प्रश्न - 5

(i) सत्य

(ii) असत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) असत्य

(vi) असत्य

प्रश्न - 6

बच्चे अपने माता - पिता की प्रत्याशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे। उनके माता - पिता सुबह से भोजन पानी की तलाश में निकले है। इसलिए भूख से व्याकुल और माता के प्रेम से वंचित बच्चे नीड़ों से झाँक रहे है।

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 7

कवि ने भोर के नभ की तुलना बहुत चीजों से की है। कवि कहते हैं कि भोर का ~~नभ~~ नभ नीले शंख, सिल पर पीसी गई केसर, नीला जल, राख से लिपे हुए गीले चौके और स्लेट पर लाल खड़िया के मलने से जो रंग मिलता है, उससे भोर के नभ की तुलना की है।

प्रश्न - 8

भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गई क्योंकि उसका खान-पान भक्तिन जैसा देहाती हो गया। वह भी जली रोटियाँ, दाल, दलिया, हरे दाने की लपसी मट्ठे के साथ आदि खाने लगी थी।

प्रश्न - 9 अथवा

लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत कहा है क्योंकि जिस प्रकार अवधूत (संयासी) जीवन की कठिन परिस्थितियों में फक्कड़पने या मस्ती में जीते हैं ठीक उसी प्रकार शिरीष लू और उमश दोनों को सहन कर खिल उठते हैं।

प्रश्न क्र.

प्रश्न -10 अथवा

यशोधर बाबू की पत्नी बच्चों का साथ देती थी। वह भी बच्चो के कहने पर मॉडर्न कपडे व व लिपिस्टिक लगाने को तैयार हो जाती है पर यशोधर बाबू मंदिर जाते है, कीर्तन करते है वे चाहते कि हमेशा उनके बच्चे उनका सम्मान करे और घर के सारे काम करे इन्ही धारणाओं के कारण वे असफल रहते है।

~~प्रश्न -11 अथवा~~

~~समाचार लेखन में मुख्यतः छः सवाल पूछे जाते है कि~~

प्रश्न -11 अथवा

समाचार लेखन में मुख्यतः छः सवालों का जवाब देने की कोशिश होती है कि क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कब हुआ, कहाँ हुआ, क्यों हुआ, कैसे हुआ। इस प्रकार ये समाचार लेखन के छः ककार है क्या, किसको, कब, कहाँ, क्यों और कैसे।

M P B S E

प्रश्न - 12 अथवा

विरोधाभास अलंकार ⇒ जिस काव्य में विरोध न होकर, सिर्फ विरोध का आभास होता है, उसमें विरोधाभास अलंकार होता है।

उदाहरण ⇒ "शीतल वाणी में आग लिये फिरता हूँ।"

प्रश्न - 13

सोरठा छन्द ⇒ यह एक अर्द्धसम मात्रिक छन्द है। इसमें चार चरण होते हैं। पहले और तीसरे चरण में 11-11 मात्रायें होती हैं। दूसरे और चौथे चरण में 13-13 मात्राये होती है।

उदाहरण ⇒ कपि करि हृदय विचार,
दीन्ह मुद्रिका डारि तव।
जनु अशोक अंगार दीन्ह,
हरषि उठि कर गहेउ ॥

प्रश्न - 14

मुहावरे	लोकोक्ति
1. यह वाक्यांश होते हैं, इसका प्रयोग वाक्य के प्रारम्भ, अन्त, मध्य कही भी हो सकता है।	1. ये पूर्ण वाक्य होते हैं।

मध्यप्रदेश
MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

2. इनके शब्दों का अर्थ बदल जाता है।	2. ये विशेष अर्थ देते है पर शब्दों का अर्थ नही बदलता।
उदा॰ अक्ल पर पत्थर पड़ना अर्थ- बुद्धि नष्ट होना	उदा॰ नाच न आए आँगन टेढ़ा अर्थ- कुशलता न होने पर चीजों पर दोष देना।

प्रश्न-15

ईश्वर के अनेक नाम है।

मुझे केवल बीस रुपये दीजिए।

प्रश्न-16

तुलसीदास

(i) दो रचनाएँ ⇒ कवितावली, दोहावली

(ii) भाव पक्ष ⇒ (1) तुलसीदास जी की रचनाएँ समाज में जीवन को सुधारने का कार्य करती है।

(2) इनकी अधिकतर रचनाओं में श्री राम का वर्णन मिलता है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

कलापक्ष ⇒

भाषा ⇒ तुलसीदास जी ने ब्रज और अवधी दोनो ही भाषाओं में रचनाएँ हैं। कवितावली, दोहावली, गीतावली, कृष्ण गीतावली ब्रज भाषा में हैं। जबकि रामचरित मानस में अवधी है।

शैली ⇒ इन्होने अपनी रचनाओं में सभी शैलियों को अपनाया है। जैसे रामचरितमानस में प्रबंध शैली, कवितावली में कवित्त सवैया शैली अपनायी है।

(iii) साहित्य में स्थान ⇒ तुलसीदास जी की रचनाएँ समाज को सुधारने का कार्य करती है। उनकी रचनाओं की भाषा अत्यन्त मनमोहक, सरल व सरस है। ये रामभक्ति शाखा के प्रमुख कवि है।

प्रश्न - 17

महादेवी वर्मा

(i) दो रचनाएँ ⇒ नीरजा, मेरा परिवार

(ii) भाषा ⇒ इन्होने अपनी रचनाओं में उर्दू, फारसी भाषाओं को अपनाया है। उसमें तत्सम शब्दावली देखने को मिलती है। इनकी रचनाओं में लाक्षणिकता है। इसके साथ ही भाषा अत्यन्त सरल, सरस, मनोहारी है। हिन्दी के साथ बांग्ला व संस्कृत के शब्द देखने को मिलते हैं।

M P B S E

प्रश्न क्र.

शैली ⇒ इन्होने चित्रात्मक, ~~वर्णनात्मक~~, भावात्मक, गवेषणात्मक, विवेचनात्मक शैलियों को अपनाया है।

(iii) साहित्य में स्थान ⇒ इनकी रचनाएँ पाठकों को बहुत पसन्द आती हैं। क्योंकि इनके ममतामय हृदय ने सबको प्रेम की डोर से बाँध रखा है। मृत्यु उपरान्त इन्हे पद्‌म भूषण भी मिल चुका है। हिन्दी साहित्य में महादेवी वर्मा का महत्वपूर्ण स्थान है। ये छायावाद की प्रमुख लेखिकाओं में से है।

प्रश्न-18

तत्सम शब्द ⇒ ये संस्कृत भाषा से ज्यों-के-त्यों ही हिन्दी भाषा में प्रयोग कर लिये जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते है।

तद्‌भव शब्द ⇒ ये शब्द ज्यों-के-त्यो न ~~लेख~~ लेकर परिवर्तन करके लिये जाते हैं, तद्‌भव शब्द कहलाते है।

उदाहरण ⇒

तत्सम	तद्‌भव
अंधकार	अँधेरा
वृक्ष	पेड़

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न-19 अथवा

(i) देशप्रेम का भाव

(ii) राष्ट्रीय भावना में शौर्यभाव का विशिष्ट स्थान है।

(iii) सुदीर्घ => प्राचीन

प्रश्न-20 अथवा

MPBSE

संकेत => कविता एक .... क्या जाने?

संदर्भ => प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 के 'कविता के बहाने' से अ अवतरित है। इसके कवि श्री 'रघुवीर सहाय' जी हैं। सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' जी है।

प्रसंग => इन पंक्तियों में कविता की तुलना चिड़िया से की मइ गयी है।

व्याख्या => कवि कहते है कि कविता भी चिड़िया की भाँति उड़ती है। पर चिड़िया को इसके बारें में कुछ भी नही पता। चिड़िया अन्दर बाहर, एक घर से दूसरे घर उड़ती है। अर्थात उसकी उड़ान सीमित है। जबकि कविता कवि के विचारो और भावों से निकलती है, तो वह कहीं भी जा सकती है पर चिड़िया को इसके बारे में कुछ भी पता नही है।

P.T.O.

प्रश्न क्र.

काव्य-सौन्दर्य → (i) कविता की तुलना चिड़िया से की है।
(ii) रूपक अलंकार
अनुप्रास अलंकार
प्रश्नालंकार

~~प्रश्न - 4~~

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 21 अथवा

संकेत ⇒ रात्रि की ------ भरती थी।

संदर्भ ⇒ प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग - 2 के 'पहलवान की ढोलक' पाठ से अवतरित है। इसके ~~कवि~~ लेखक श्री फणीश्वरनाथ रेणु जी हैं।

प्रसंग ⇒ लेखक ने पहलवान की ढोलक को संजीवनी शक्ति बताया है।

व्याख्या ⇒ अमावस्या की ठण्डी रात है, हैजा और मलेरिया का चारो ओर प्रकोप फैला हुआ है। ऐसे वातावरण में सिर्फ पहलवान की ढोलक बज रही है। वह ढोलक को संध्या से लेकर सुबह तक एकताल बजाता रहता है। ढोलक की आवाज अर्द्धमृत, उपचार हीन, गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती है।

काव्य सौन्दर्य ⇒ (i) पहलवान की ढोलक की महत्ता के बारे में बताया है।
(ii) सामासिक पदों का इस्तेमाल
(iii) सरल ~~सरस~~ सरस भाषा

प्रश्न क्र.

प्रश्न-22 अथवा

21, ऊषा कॉलोनी
भिण्ड, (म.प्र.)
19 फरवरी, 2022

प्रिय कमलेश,
मैं यहाँ सकुशल हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि आप भी वहाँ कुशल होगे।

मुझे यह बताते हुए अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि 29 फरवरी, 2022 को मेरे बड़े भाई की सादी है। यह भिण्ड शहर के जगदीश मैरेज गार्डन में हो रही है। मेरे माता-पिता ने तुम्हे 2 दिन पहले खास आमंत्रित करने को कहा है। सुरेश और रमेश भी सादी में आ रहे है। हम बहुत मजे करेगे।

तुम अपने परिवार के साथ दो दिन पहले अवश्य आना। माता-पिता को सादर प्रणाम एवं छोटू को प्यार।
मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूंगा

तुम्हारा मित्र,
आयुष

MPBSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न -23

पर्यावरण - प्रदूषण : उसकी रोकथाम मे आपका योगदान

प्रदूषण आज के समय की सबसे विषम समस्याओं में से एक है। आजकल यह देखा जा सकता कि प्रदूषण के कारण पृथ्वी में रोज कितने बदलाव हो रहे है जैसे - ग्लोबल वॉर्मिंग, ओजोन परत का हटना, अम्ल वर्षा आदि। इसके कारण सिर्फ भारत ही नही बल्कि पूरे विश्व मे त्राहि-त्राहि मच गयी है।

प्रदूषण चार प्रकार के होते है - वायु प्रदूषण जल प्रदूषण, थल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण। कारखानों से निकलने वाली जहरीली गैसे वायु प्रदूषण फैलाती है। जल स्त्रोतों जैसे समुद्र, नदियाँ आदि में कचड़ा फेकने से जल प्रदूषण फैलता है। वाहनों की ध्वनियों के कारण ध्वनि प्रदूषण फैलता है। खाद, प्लास्टिक, आदि जमीन पर फेकने से थल प्रदूषण फैलता है। मानव ने जैसे-जैसे विकास किया है जैसे - कारखानों का विस्तार, मसीनीकरण इससे लोगों ने प्रदूषण भी फैलना शुरु हो गया है। लोगो ने उपयोग करने के बाद चीजों को जैसे प्लास्टिक कचरा फेक देते है जो सड़नशील नही होता वही 'जब जलाया जाए तो वायु प्रदूषण फैलता है, नदियों में फेकने पर जल प्रदूषण और जमीन पर फेक दे तो थल प्रदूषण।

तो फिर मनुष्य को सबसे पहले प्लास्टिक

प्रश्न क्र.

सीमित उपयोग करना चाहिए। मोटर गाडी का कम-से-कम प्रयोग करे। कचड़े जो रीसाइकल हो सकते हैं उन्हे कबाड़ीवाले को दे देना चाहिए। इस प्रकार हम प्रदूषण को रोक सकते हैं।

प्रदूषण संपूर्ण पृथ्वी के लिये अभिशाप है, उसकी रोकथाम करना आवश्यक है।

MPBSE